



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Kiran Kumari

31/08/1994 10:20

Dhanbad Jharkhand

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	31/08/1994
जन्म का समय	10:20
जन्म स्थान	Dhanbad Jharkhand
अक्षांश	23.7956531
देशान्तर	86.4303859
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.787698345490668
सूर्योदय	05:29:00
सूर्यास्त	18:00:59

घटक चक्र

महीना	सोम
तिथि	2 (द्वितीय), 7 (सप्तमी), 12 (द्वादशी)
विपरीत लिंग लग्न	मकर
नक्षत्र	
भगवान	बुध
समलिंगी लग्न	कैंसर
Tatva	पृथ्वी
रासी	कुंभ

पंचांग विवरण

तिथि	दशमी
योग	वज्र
नक्षत्र	मृगशिरा
करण	वनिजा

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	शूद्र
वास्या	मानव
योनि	सँप
तिथि	कृ.द्वादशी
नक्षत्राधिपति	मंगल
नक्षत्र	मृगशिरा
प्रबल	तुला
Tatva	वायु
करण	वनिजा
नक्षत्र स्वामी	बुध
दलदल	चांदी
नाम वर्णमाला	वे
रासी	मिथुन
नाड़ी	पित्त

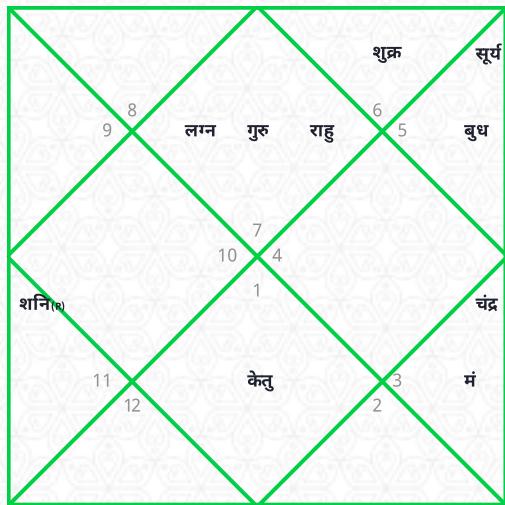
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉर्ड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश	तुला	199.54803107003002	शुक्र	स्वाति(4)	राहु	राहु	1
सूर्य	सिंह	133.77924490582834	सूर्य	पूर्वाफाल्युनी(1)	शुक्र	शुक्र	11
चंद्रमा	मिथुन	65.09022365988702	बुध	मृगशिरा(4)	मंगल	मंगल	9
मंगल	मिथुन	75.4901855862345	बुध	आर्द्र(3)	राहु	राहु	9
बुध	सिंह	149.7989213584923	सूर्य	उत्तराफाल्युनी(1)	सूर्य	सूर्य	11
बृहस्पति	तुला	195.8966100692016	शुक्र	स्वाति(3)	राहु	राहु	1
शुक्र	कन्या	179.61153691101575	बुध	चित्र(2)	मंगल	मंगल	12
शनि	कुंभ	315.3293035739511	शनि	शतभिषा(3)	राहु	राहु	5
राहु	तुला	204.504913391519	शुक्र	विशाखा(2)	बृहस्पति	बृहस्पति	1
केतु	मेष	24.50491339151908	मंगल	भरानी(4)	शुक्र	शुक्र	7

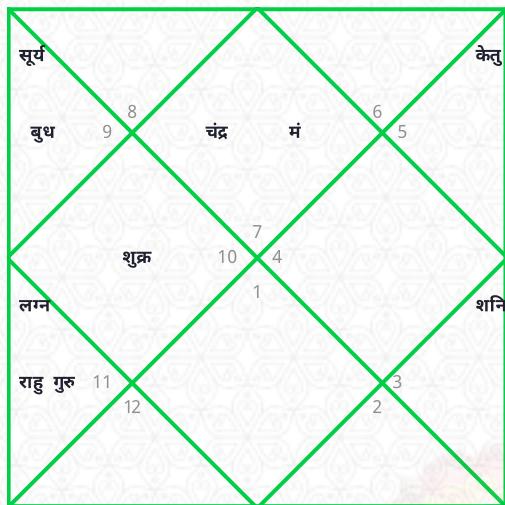
 सूर्य सिंह पूर्वाफाल्युनी(1) नुकसानदायक	 चंद्रमा मिथुन मृगशिरा(4) तटस्थ	 मंगल मिथुन आर्द्र(3) मारक
 शनि कुंभ शतभिषा(3) अत्यधिक लाभकारी	 बृहस्पति तुला स्वाति(3) नुकसानदायक	 शुक्र कन्या चित्र(2) लाभकारी
 केतु मेष भरानी(4) योगकारक	 राहु तुला विशाखा(2) अशुभ	 केतु मेष भरानी(4) अशुभ

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

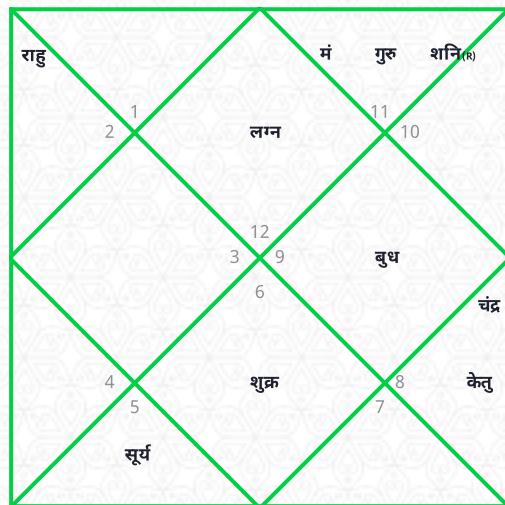


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
बुध	दुश्मन	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	अंतरंग	--	दुश्मन	अंतरंग	तटस्थ	--
चंद्रमा	अंतरंग	--	--	अंतरंग	दुश्मन	दोस्त	--
मंगल ग्रह	अंतरंग	तटस्थ	--	तटस्थ	तटस्थ	दोस्त	--
बुध	तटस्थ	तटस्थ	--	--	दोस्त	अंतरंग	--
बृहस्पति	अंतरंग	तटस्थ	--	तटस्थ	--	तटस्थ	--
शुक्र	तटस्थ	तटस्थ	--	अंतरंग	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	कट्टर दुश्मन	कट्टर दुश्मन	--	तटस्थ	दुश्मन	तटस्थ	--

विंशोत्तरी दशा - 1

मंगल	
शनि	नवंबर 26 1988
शुक्र	जून 30 1995
मंगल	नवंबर 26 1988
राहु	दिसंबर 14 1989
बृहस्पति	नवंबर 20 1990
शनि	दिसंबर 30 1991
बुध	दिसंबर 26 1992
केतु	मई 24 1993
शुक्र	जुलाई 24 1994
सूर्य	नवंबर 29 1994
चंद्रमा	जून 30 1995

राहु	
गुरु	मार्च 12 1998
बुद्ध	जून 26 2013
राहु	मार्च 12 1998
बृहस्पति	अगस्त 04 2000
शनि	जून 10 2003
बुध	दिसंबर 27 2005
केतु	जनवरी 14 2007
शुक्र	जनवरी 13 2010
सूर्य	दिसंबर 08 2010
चंद्रमा	जून 08 2012
मंगल	जून 26 2013

बृहस्पति	
शुक्र	अगस्त 14 2015
शनि	जून 23 2029
बृहस्पति	अगस्त 14 2015
शनि	फरवरी 24 2018
बुध	मई 31 2020
केतु	मई 07 2021
शुक्र	जनवरी 05 2024
सूर्य	अक्टूबर 23 2024
चंद्रमा	फरवरी 22 2026
मंगल	जनवरी 29 2027
राहु	जून 23 2029

शनि	
शुक्र	जून 25 2032
शुक्र	जून 19 2048
शनि	जून 25 2032
बुध	मार्च 04 2035
केतु	अप्रैल 12 2036
शुक्र	जून 12 2039
सूर्य	मई 24 2040
चंद्रमा	दिसंबर 23 2041
मंगल	फरवरी 01 2043
राहु	दिसंबर 07 2045
बृहस्पति	जून 19 2048

बुध	
मंगल	नवंबर 15 2050
रवि	जून 14 2065
बुध	नवंबर 15 2050
केतु	नवंबर 12 2051
शुक्र	सितंबर 11 2054
सूर्य	जुलाई 18 2055
चंद्रमा	दिसंबर 16 2056
मंगल	दिसंबर 13 2057
राहु	जुलाई 01 2060
बृहस्पति	अक्टूबर 06 2062
शनि	जून 14 2065

केतु	
मंगल	नवंबर 10 2065
सोम	जून 13 2072
केतु	नवंबर 10 2065
शुक्र	जनवरी 10 2067
सूर्य	मई 18 2067
चंद्रमा	दिसंबर 17 2067
मंगल	मई 14 2068
राहु	जून 01 2069
बृहस्पति	मई 08 2070
शनि	जून 17 2071
बुध	जून 13 2072

विंशोत्तरी दशा - 2

शुक्र		सूर्य		चंद्रमा	
रवि अक्टूबर 13 2075	रवि जून 08 2092	शुक्र सितंबर 26 2092	सोम जून 09 2098	गुरु अप्रैल 09 2099	शुक्र जून 08 2108
शुक्र	अक्टूबर 13 2075	सूर्य	सितंबर 26 2092	चंद्रमा	अप्रैल 09 2099
सूर्य	अक्टूबर 12 2076	चंद्रमा	मार्च 28 2093	मंगल	नवंबर 08 2099
चंद्रमा	जून 12 2078	मंगल	अगस्त 03 2093	राहु	मई 10 2101
मंगल	अगस्त 12 2079	राहु	जून 28 2094	बृहस्पति	सितंबर 09 2102
राहु	अगस्त 11 2082	बृहस्पति	अप्रैल 16 2095	शनि	अप्रैल 09 2104
बृहस्पति	अप्रैल 10 2085	शनि	मार्च 28 2096	बुध	सितंबर 08 2105
शनि	जून 09 2088	बुध	फरवरी 01 2097	केतु	अप्रैल 09 2106
बुध	अप्रैल 09 2091	केतु	जून 09 2097	शुक्र	दिसंबर 08 2107
केतु	जून 08 2092	शुक्र	जून 09 2098	सूर्य	जून 08 2108

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	बृहस्पति	रवि जून 30 2013 रात 12:00 बजे	शनि जून 30 2029 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	सूर्य	गुरु जनवरी 11 2024 सुबह 7:12 बजे	मंगल अक्टूबर 29 2024 दोपहर 12:00 बजे
पर्यातर्दशा	बुध	रवि जुलाई 14 2024 सुबह 8:38 बजे	शनि अगस्त 24 2024 शाम 6:07 बजे
शुक्रशमदाशा	बुध	रवि जुलाई 14 2024 सुबह 8:38 बजे	शनि जुलाई 20 2024 बहुत सवेरे 5:22 बजे
प्रणादशा	राहु	बुध जुलाई 17 2024 दोपहर 3:13 बजे	गुरु जुलाई 18 2024 दोपहर 12:19 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : तुला

विशेषताएँ	जंगम, हवादार, पश्चिम
भाग्यशाली रूप	डायमंड
भगवान्	शुक्र
प्रतीक	तराजू
उपवास का दिन	शुक्रवार

|ॐ अश्वधजाय विश्वे धनुर् हस्ताय धीमहि तत्रो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

तुला लग्न होने के कारण, आप स्वभाव से बहुत संतुलित हैं और अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। आप चिड़चिड़े, शांत, प्रतिभाशाली, सहज और तर्क, दूरदर्शिता और न्याय में उत्कृष्ट हो सकते हैं। आप कूटनीतिक बने रहेंगे और संभाल लेंगे। आसानी से बातचीत। आप विलासिता से प्यार करेंगे, अच्छे संयोजन के साथ आपको इस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिकूल संयोजनों के साथ आप उग्र, ईर्ष्यालु होंगे और आपके पास जो भी धन है उसे खो सकते हैं। आपको बच्चे होने में देरी होगी या परेशानी होगी वाले।

संतुलन और सद्ग्राव की आपकी अंतर्निहित भावना आपको जीवन के सभी पहलुओं में निष्पक्षता और सुंदरता की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप सामाजिक संबंधों को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 12 गृह मे है। विदेशी भूमि के साथ आपके कुछ संबंध होंगे। आप एक विदेशी भूमि में अपने प्यार से मिलेंगे। आप जीवन शक्ति और देखभाल का प्रतिनिधित्व करते हैं ताकि आप नर्सिंग की गतिविधियों के लिए भी जा सकें। आप प्यार के बिना स्थिर नहीं रह पाएंगे रिश्ते। थोड़ी सी लापरवाही उन्हें बहुत भारी पड़ सकती है।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

ध्यान और चिंतन के माध्यम से आंतरिक संतुलन विकसित करें। सुंदरता के प्रति आपका प्रेम आपको ईश्वर की सराहना की ओर ले जाए।

सकारात्मक लक्षण

कूटनीतिक

आकर्षक

सामाजिक

कलात्मक

नकारात्मक लक्षण

अनिर्णयिक

लोगों को प्रसन्न करने वाला

भोगवादी

सतही



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें